

प्रेषक,

एम०सी० उप्रेती,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,
उद्योग निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक: 19 जनवरी, 2011

विषय: वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून के आयोजनागत पक्ष अन्तर्गत अवशेष धनराशि स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 1255 /लेखा० /बजट/ 2010-11, दिनांक 09.11.2010 एवं शासनादेश संख्या: 1524 /VII-II-10/ 51-ख/2006 दिनांक 03 जून 2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2010-11 में भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून के आयोजनागत पक्ष अन्तर्गत 15-गाड़ियों का अनुस्थान एवं पेट्रोल आदि की खरीद योजनान्तर्गत अवशेष धनराशि रु0 3.00 लाख (रु0 3.00 लाख मात्र) की धनराशि व्यय किये जाने हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2— व्यय में मितव्ययता निरान्त आवश्यक है। इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। व्यय मात्र उन्हीं मर्दों में किया जायेगा, जिन मर्दों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

3— धनराशि व्यय करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाय, कि पूर्व स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग कर लिया गया है।

4— स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31.03.2011 तक कर लिया जायेगा। धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र, वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण यथासमय शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई भी धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

5— वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर बी०एम०-८ के प्रपत्र पर रखा जायेगा और पूर्व के माह का व्यय विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल की अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा, और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा और नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के आधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

6- स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 187/XXVII(1)/2010 दिनांक 30 मार्च 2010 में उल्लिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा।

7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक 2853-अलौह खनन तथा धातुकर्म उद्योग, 02-खानों का विनियमन तथा विकास,-001-निदेशन तथा प्रशासन (लघु शीर्षक, 003 के स्थान पर)-03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान, 00-आयोजनागत, मद अन्तर्गत प्रस्तर-1 में उल्लिखित प्राथमिक इकाइयों के नामे डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अशा०संख्या: 693/XXVII(2)/2010, दिनांक 12 जनवरी 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एम०सी० उप्रेती)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 3950(1)/VII-II-10/51-ख/2006 तददिनांकित।
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, देहरादून।
3. निजी सचिव-मा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
6. अपर सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
7. उप निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, देहरादून।
8. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-2
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

४
(एम०सी० उप्रेती)
अपर सचिव।